(c) the extent of administrative and tech nical control to be exercised by Govern ment directly and through the State agen cies;

(d) the guidelines laid down for con ducting such audit and its scope; and

(e) the punitive action contemplated in case of violations?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORSTS (SHRI KAMAL NATH): (a) to (e) Schemes for voluntary disclosure and environmental audit are under consideration.

मध्य प्रदेश में वन क्षेत्र

1889. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया :** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में ऐसा कितना वन क्षेत्र हैं जहां तालौन के वृक्ष सूखा रोग से प्रभावित हैं ;

(ख) इसके परिणाम स्वरूप बहु-मूल्य सागौन के कितने वृक्षों को क्षति पहुंची है ; और

(ग) करोड़ों रुपये की वन-सम्पदा को विनाश से बचाने तथा पर्यावरण को प्रदूषित होने से रोकने के लिए इस रोग पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं ।

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) राज्य सरकार से सूखा रोग से गम्भीर आक्रमण की कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

"रणथम्भौर टाइगर प्रोजेक्ट" को दी गई धनराशि की लेखा परीक्षा

1890. **डा० अबरार अहमद :** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान रणथम्भौर टाइगर प्रोजेक्ट, सवाई माधोपुर को दी गई धनराशि की लेखा परीक्षाओं द्वारा की गई लेखा परीक्षा में उठाई गई आपत्तियों को अब तक दूर कर दिया गया है ; यदि नहीं, तो उन आपत्तियों का, जिन्हें दूर नहीं किया गया है, ब्यौरा क्या है तथा इनके लिए उत्तरदायी लोगों का ब्यौरा क्या है ; तथा क्या इस संबंध में किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्यवाही की गई है ; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान रणथम्भौर टाइगर प्रोजेक्ट को अपने आंतरिक स्रोतों से हुई आय का ब्यौरा क्या है, तथा क्या उसकी लेखा परीक्षा हो गई है ; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई धनराशि को उसी मद पर खर्च किया गया है जिसके लिए वह दी गई थी ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) जी, नहीं । लेखापरीक्षा महालेखाकार, राजस्थान के लेखा-परीक्षकों और प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा मुख्य वन संरक्षक, राजस्थान के कार्यालय की आंतरिक लेखा परीक्षा पार्टी द्वारा की गई थी । पिछले तीन वर्षों के दौरान केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई धनराशि की लेखापरीक्षा करने पर उठाई गई आपत्तियों के ब्यौरे जिनको अभी तक दूर नहीं किया गया है, इस प्रकार हैं :—

क्रम सं०	लेखापरीक्षा रिपोर्ट की अवधि	आपत्ति पैरा का संदर्भ	आपत्ति पैरा का संबंधित वर्णन
1	2	3	4
(I) महालेखाकार, राजस्थान द्वारा उठाई गई आपत्तियां :			
1.	1/88 से 3/90 तक	1. भाग–2ख	केंद्रीय प्रायोजित स्कीम, बाध परियोजना 1989–90 के निर्माण कार्यों के लिए अनुभागों को गैर-तकनीकी स्वीकृति और अन्य अनियमितता
2.	1/88 से 3/90 तक	2. भाग–2ख	सी०एस०पी०ओ दर की बजाय स्थानीय मार्किट से 23,871.00 रुपए के पेन्ट की अनियमित खरीदारी ।
3.	1/88 से 3/90 तक	3. भाग–2ख	सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से बचने के लिए 29,640 रुपए की धमन घास के बीजों की हिस्सों में अनियमित खरीद की गई ।
(II) प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य वन संरक्षक, राजस्थान के कार्यालय की आंतरिक लेखा परीक्षा पार्टी द्वारा उठाई गई आपत्तियां			
1.	1986–87 और 1987–88	10	विभागीय वाहनों के रखरखाव पर क्षमता से अधिक खर्च किया गया ।
2.	—वही— —वही—	17	मजदूरी/दिहाड़ी का अनियमित भुगतान ।
3.	—वही— —वही—	19	मासिक लेखे की लेखा परीक्षा। (i) मस्टर रोल को अनियमित जारी किया गया । (ii) श्रमिकों को लगातार लगाए रखना । (iii) जीप को किराए पर लेना । (iv) सीमित निविदायों के आधार पर 15;600 रुपए के डीजल की खरीद ।

चूंकि लेखा परीक्षा द्वारा उठाई गई आपत्तियों को दूर करने की कार्रवाई चल रही है इसलिए इस स्थिति में किसी व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराने या इस संबंध में कोई कार्रवाई करने का प्रश्न नहीं उठता ।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान रणथम्भौर बाघ रिजर्व को अपने आंतरिक संसाधनों से हुई आय के ब्यौरे इस प्रकार हैं :—

लेखा शीर्ष	वर्ष		
	1988–89	1989–90	1990–91
0406 वानिकी और वन्यजीव			
1. इमारती लकड़ी और अन्य उत्पादों की बिक्री	45.90	—	—
2. जलाने की लकड़ी एवं कोयला	14,262.50	13,322.25	12,845.22
3. घास और अन्य उत्पाद	19,595.36	5,039.05	38,107.86
कुल:	33,903.76	18.361,30	50,953.08
800 प्राप्तियां			
4. जुर्माना एवं क्षतिपूर्ति	79,375.00	76,410.00	79,855.95
5. अन्य प्राप्तियां :			
(1) वन विश्राम गृह	2,21,339.65	2,53,822.10	2,56,989.50
(2) राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों से	2,14,442.00	3,00,646.00	7,64,356.00
(3) अन्य प्राप्तियां	79,510.14	38,573.13	26,526.00
योग (800)	5,94,666.79	6,69,451.23	11,27,727.45
कुल योग:	6,28,570.55	6,87,812.53	11,78,680.33

जनवरी, 1988 से मार्च, 1990 की अवधि में रणथम्भौर बाघ रिजर्व, सवाई माधोपुर की राजस्व 15-5-90 से 22-5-90 तक की प्राप्तियों की लेखा परीक्षा महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर की लेखा परीक्षा पार्टी द्वारा की गई । उसके ब्यौरे इस प्रकार हैं :

पैरा का संदर्भ तथा आपत्तियों के ब्यौरे

1. वर्ष 1983 में विभागीय तौर पर एकत्र किये गये तेंदू पत्तों की बरबादी के कारण 52,595.00 रुपये के राजस्व की हानि हुई है ।

2. वन भूमि पर अवैध कब्जों के लंबित मामलों का निपटारा नहीं हुआ है ।

3. ठेकेदारों और सहकारी समितियों से 62,209.00 रुपये के सरकारी राजस्व की वसुली की जानी है ।

4. वन अपराधों के लंबित मामलों का निपटारा नहीं हुआ है ।

महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर की लेखा परीक्षा पार्टी द्वारा वर्ष 1990-91 के लिए लेखापरीक्षा अभी तक नहीं की गई है ।

(ग) जी, हां ।